

DOOR : (1) द्वारम् (lit. and fig.), *near the d.* : द्वारो-
पान्ते, Me. ; *to open a d.* : द्वारं विवृणोति, Ku. ;
shut the back d. : पिधेहि पक्षद्वारकम्, Mr. ii. ; *d. s*
of income broke down : आयद्वाराणि व्यशीर्यन्त, D.
viii. ; *death's d.* : मृत्युद्वारम्, H. ; (2) द्वार (f.)
(rare, except in the loc.), *who is at the d.* :
कोऽयं द्वारि तिष्ठति, Mu. ii. ; (3) कपा(वा)ट (mn)
(the leaf of a d.), Ph. : *from d. to d.* : गृहाद्-
गृहम्, D. ; (b) *indoors* : गेहे, U. ; (c) *out of d. s* :
बहिः ; *next d. to* (i.e. bordering on) : अनन्तरः
(रा, रं) ; *"the fault lies at my d.* : *द्वारे मे
वर्तते दोषः.

DOOR-KEEPER : (1) द्वारपालः ; (2) द्वारिन् (m.) ;
(3) द्वाररक्षकः ; (4) दौवारिकः, B.

DOOR-POST : द्वारस्तम्भः.

DOOR-SILL : (1) द्वारपिण्डी ; (2) देहलिः, -ली (f.).

DOORWAY : द्वारम् : v. Door.

DORIAN, DORIC : *दौरः (रा, रं).

DORMANT : I. Lit. : सुप्तः (स्रा, स्रं). II. Fig. :
v. Obsolete, hidden.

DORMITORY : (1) शय्यागृहम् ; (2) शयनगृहम् ; and
sim. comp.s.

DORMOUSE : *वृक्षमूषिकः.

DORSAL : (1) पृष्ठ- in comp., *d. bone* : पृष्ठवंशः ; (2)
पृष्ठः (घ्रा, घ्रं).

DOSE (subs.) : expr. by circumlo., *should give*
this medicine in d. s of three rattis : रसमिमं रत्तिका-
त्रयमितं दद्यात्, Bha. ; *should increase the d.*
everyday by one ratti : प्रतिदिनं तस्यैकैकां रत्तिकां
वर्द्धयेत्, Bha.

DOSE (v.) : i.e. to prepare or give d. s :
expr. by circumlo.

DOT (subs.) : बिन्दुः.

DOT (v.) : I. Lit. : बिन्दुना चिह्नयति (चिह्, c.
10.). II. To diversify : "*d. ed with cottages*"

इतस्ततः कुटीरैः समलङ्कृतः.

DOTAGE : जराजीर्णैर्द्विष्यता ; जरा (=decrepitude).

DOTARD : जराजीर्णैर्द्विष्यः (या, यं).

NOTE UPON (v.) : अत्यन्तानुरागवत् (f. ती) (with
loc.).

DOTINGLY : I. Fondly : अत्यन्तानुरागेण. II. Foo-
lishly : q.v.

DOUBLE (adj.) : I. Two-fold : (1) द्वि- in

comp. ; (2) द्विकः (का, कं). II. As much
again : द्विगुणः (णा, णं), *d. pay* : द्विगुणवेतनम्. III.
In pairs : द्वन्द्वीभूय. IV. Deceitful, ambiguous ;
q.v. : perh. द्वि- in comp., *having a d. meaning* :
द्वयर्थः (र्थी, र्थं), Va.

DOUBLE (subs.) : I. Twice as much : द्विगुणम्.

II. A trick : q.v. III. Companion : q.v.

DOUBLE (v.) : I. Lit. : द्विगुणीकरोति. II. To be
d. of : द्विगुणः (णा, णं). III. To double up :
द्विमङ्गि करोति (?). Ph. : *to d. a cape* : *प्रलम्बं लङ्घयति.

DOUBLE (v.i.) : I. Lit. : द्विगुणीभवति. II. To
return : परावर्तते (वृत्, c. 1.). III. To play
false : छलनां करोति.

DOUBLE-BARRELLED : *द्विनालः (ला, लं).

DOUBLE-DEALER, DOUBLE-DEALING : v. Deceit-
ful.

DOUBLE-DEALING (subs.) : v. Deceit, artifice.

DOUBLE-ENTENDRE : द्वयर्थः (र्थी, र्थं), Ve.

DOUBLE-FACED : prob. द्विमुखः (खा खं) : v.
Deceitful.

DOUBLE-HEADED : द्विशिरस् (mfn.) and sim.
comp.

DOUBLE-LOCK (v.) : *तालकद्वयेन पिदधाति (धा,
c. 3.).

DOUBLE-TONGUED : द्विजिह्व (f. ह्वा) (lit. and
fig.), Si. i. 63.

DOUBLET : I. A pair : q.v. : युग्मम्. II. A
vest : चोलः, -कः.

DOUBLY : (1) द्विः ; (2) द्विगुणम्.

DOUBT (v.) : (1) संशये (शी, c. 2.), *was d. ingly*
received by the king : संशय्य नृपैः प्रपन्नः, Ki. ; (2)
संदिग्धे (दिह्, c. 1.), *a man alone d. s in things*
to be done : एकः सन्दिग्धे कार्यवस्तुनि, Si. ; (3)
शङ्कते, आ-, वि-, (शङ्क, c. 1.) (=to apprehend),
from whom (you) d. disgrace : यतोऽवधीरणां
विशङ्कसे, Sa. ; (4) न प्रत्येति (इ, c. 2.) (=not to
believe : q.v.).

DOUBT (subs.) : (1) संशयः, *without d.* : असंशयम्,
Sa. ; *I have only one d. about (his) form* : रूपे मे
संशयस्त्वेकः, Mah. ; (2) सन्देहः, *he is in d. even of*
our marriage : [आर्यस्य] परिणय एव सन्देहः, Sa.
v. ; (3) शङ्का, आशङ्का (apprehension), *I will*
remove your d. : तवाशङ्कामपनेष्यामि, Sa. v.